अपनी दर्शन का मूल्यांकन करना

Assessing Your Vision

उद्देश्य (Objective):

क्या होगा अगर आपकी सेवकाई की दृष्टि और भी अधिक प्रभावशाली हो सकती है?
यह प्रशिक्षण हमें सिखाता है कि केवल परिणामों का नहीं, बल्कि **दर्शन का नियमित मूल्यांकन करना** कितना महत्वपूर्ण है।
इसमें हम **पाँच प्रमुख क्षेत्रों** को पहचानते हैं:

1. स्पष्टता
2. रणनीति
3. सहभागिता
4. स्थायित्व
5. रचनात्मकता

इन पहलुओं का मूल्यांकन करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारी दृष्टि:

- परमेश्वर की बुलाहट के अनुरूप बनी रहे,
- परिवर्तन के अनुसार ढल सके,
- और प्रभावशाली रूप से पूरी की जा सके।

सारांश (Overview):

🔷 **नेतृत्व में दर्शन की समझ (Understanding Vision in Leadership)**

🔷 **दर्शन के मूल्यांकन के पाँच क्षेत्र (Five Areas of Vision Assessment):**

- **Vision Clarity (दर्शन की स्पष्टता)**
- **Vision Strategy (दर्शन रणनीति)**
- **Vision Participation (दर्शन भागीदारी)**
- **Vision Sustainability (दर्शन स्थायित्व)**
- **Vision Creativity (दर्शन रचनात्मकता)**

🔷 **दर्शन का नियमित मूल्यांकन करें (Regularly Assess Your Vision)**

शास्त्र सन्दर्भ (Verses Referenced):

- नीतिवचन 29:18
- यूहन्ना 15

अध्ययन हेतु प्रश्न (Questions for Further Study):

1. दृष्टि मूल्यांकन के पाँच क्षेत्रों (स्पष्टता, रणनीति, भागीदारी, स्थायित्व, रचनात्मकता) में से कौन सा क्षेत्र अभी सबसे अधिक ध्यान देने योग्य है? क्यों?

2. “Scroll” (पांडुलिपि) की कल्पना को आप अपनी रणनीति योजना में कैसे लागू कर सकते हैं ताकि निरंतर नवाचार बना रहे और “Blueprint” (नक्शा) जैसी जड़ता से बचा जा सके?

3. कौन से मौजूदा कार्यक्रम या गतिविधियाँ ऐसी हो सकती हैं जिन्हें "छाँटने" की ज़रूरत है ताकि नई वृद्धि और नवाचार के लिए स्थान बन सके?

4. कौन-कौन से व्यावहारिक तरीके अपनाए जा सकते हैं जिससे आप समय-समय पर समीक्षा और चिंतन करके यह जाँच सकें कि आपकी वर्तमान रणनीतियाँ अभी भी दृष्टि के साथ मेल खा रही हैं या नहीं?

अतिरिक्त अध्ययन के लिए वचन पद (Scripture for Further Study):

- हबक्कूक 2:2–3
- लूका 14:25–35